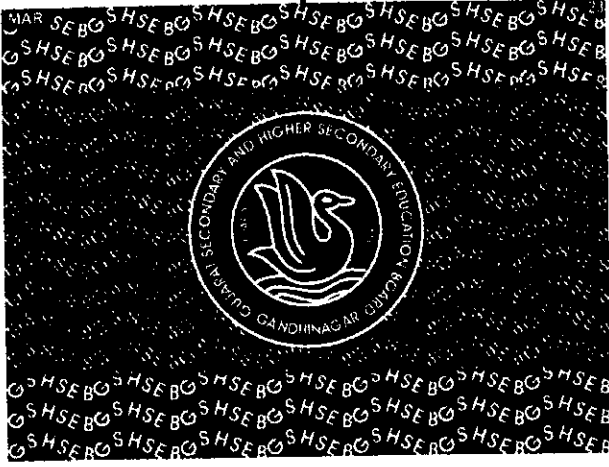


Answer Book – જવાબવહી



મુખ્ય જવાબવહી	પુરવણી	કુલ
1	+	=

H.S.C. વિજ્ઞાન પ્રવાહ 24-M-24

વિષય અને કોડ નંબર	ભૌતિકવિજ્ઞાન	054
પરીક્ષાની તારીખ	11 / 03 / 2024	
જવાબની ભાષા	Hindi	

પરીક્ષાર્થી માટે અગત્યની સૂચના : મધ્યસ્થ મૂલ્યાંકન કેન્દ્રના ઉપયોગ માટે

પરીક્ષાર્થીએ જવાબ લખવાનું શરૂ કરતાં પહેલાં પાન નં. 2 પરની સૂચનાઓ અવશ્ય વાંચવી.

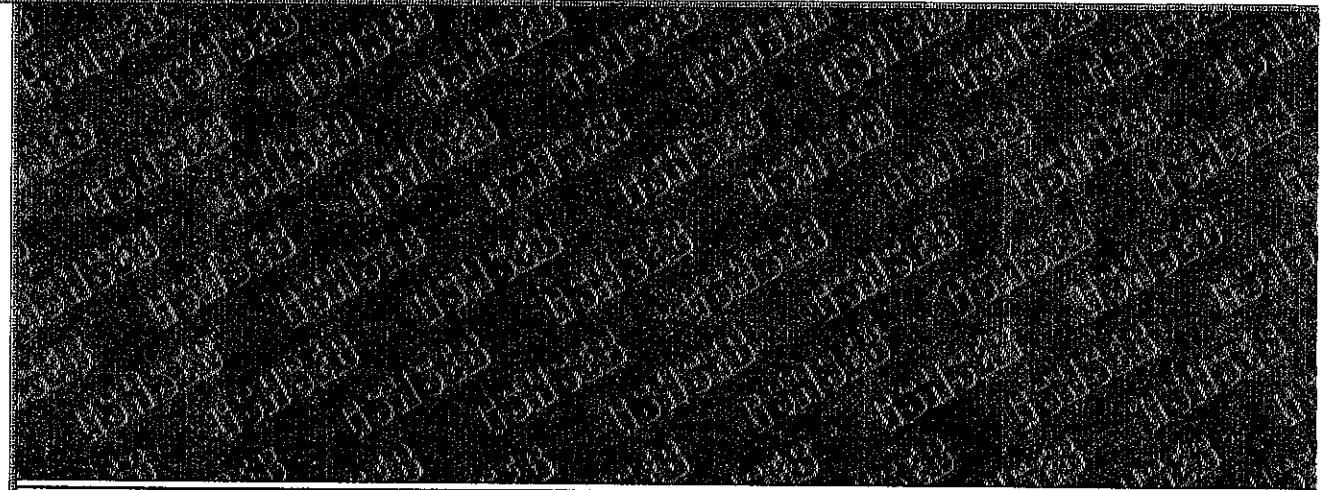


વિભાગ	પરીક્ષકે આપેલ ગુણ	પરીક્ષકની		સમીક્ષકે આપેલ ગુણ	કો-ઓર્ડિનેટરે આપેલ ગુણ	બોર્ડની કચેરીના ઉપયોગ માટે	
		સહી	નિમણૂક નંબર				
A							
B							
C							
કુલ ગુણ અપૂર્ણકમાં							
કુલ ગુણ પૂર્ણકમાં							
કુલ ગુણ શબ્દોમાં							

પરીક્ષાયરની સહી	સમીક્ષકની સહી	કો-ઓર્ડિનેટરની સહી
પરીક્ષાયરનો નિમણૂક નંબર	સમીક્ષકનો નિમણૂક નંબર	કો-ઓર્ડિનેટરનો નિમણૂક નંબર



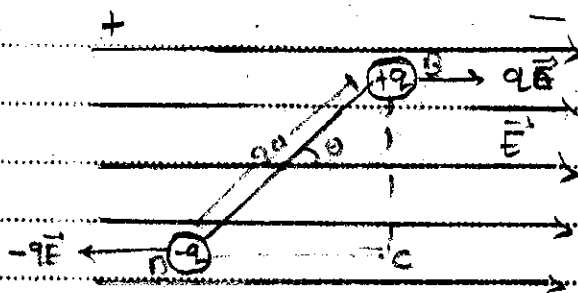
ગુણાંકન



વિભાગ-A			વિભાગ-B			વિભાગ-C		
પ્રશ્ન ક્રમાંક	ગુણ		પ્રશ્ન ક્રમાંક	ગુણ		પ્રશ્ન ક્રમાંક	ગુણ	
1			13			22		
2			14			23		
3			15			24		
4			16			25		
5			17			26		
6			18			27		
7			19			મેળવેલ કુલ ગુણ		16
8			20			પરીક્ષકની સહી		
9			21					
10			મેળવેલ કુલ ગુણ		18			
11			પરીક્ષકની સહી			વેરીફાયરની સહી		
12								
મેળવેલ કુલ ગુણ		16	વિભાગ : A + B + C =				50	
પરીક્ષકની સહી			પેજ નં. 3 ઉપરના પ્રશ્નના ક્રમવાર મેળવેલ ગુણ મૂકીને મહત્તમ ગુણ ગણતરીમાં લઈ વિભાગવાર દર્શાવવાના રહેશે અને ઉત્તરવહીના મુખ્ય પેજ ઉપર વિભાગવાર ગુણ લખવાના રહેશે.					

Section-A

Ans 1



- चित्र से समान वृत्तवृत्ता वाले विद्युत क्षेत्र में एक डाइपोल θ कोण पर रखा गया है।
- यहाँ ऊपर समान मूल्य के असमान आवेश क्रमशः $+q$ एवं $-q$ है।
- उनके बीच का अंतर $2a$ है।
- दोनों आवेशों पर लगने वाला बल क्रमशः $+qE$ एवं $-qE$ है।
- यह बल समान तथा परस्पर विपरीत दिशा में होने से परिणामी बल शून्य होगा तथा रेखस्थ नहीं होगा।
होने से एक-दूसरे के प्रभावों का निरस्थ नहीं करता है।
यिससे बल आधुनिक का निर्माण होता है।

बल आधुनिक = बल $\times$ लंबाई अंतर (सं)

चित्र से

$$\sin \theta = \frac{BC}{2a}$$

$$BC = 2a \sin \theta$$

समी. (1) से

$$\begin{aligned} \tau &= FBC \\ &= qE 2a \sin \theta \end{aligned}$$

$$\text{जहाँ } 2aq = p$$

$$\tau = pE \sin \theta$$

$$\boxed{\vec{\tau} = \vec{p} \times \vec{E}}$$

Ans-2

$$E = 9 \times 10^4 \frac{N}{C}$$

$$r = 2 \text{ cm}$$

$$r = 2 \times 10^{-2} \text{ m}$$

$$\lambda = q$$

इसलिए आवेश घनत्व के लिए

$$E = \frac{\lambda}{2\pi \epsilon_0 r}$$

$$E = \frac{2\lambda}{4\pi \epsilon_0 r}$$

$$E = \frac{2\lambda}{4\pi \epsilon_0 r}$$

$$E = \frac{2\lambda}{4\pi \epsilon_0 r}$$

$$E = \frac{2k\lambda}{r}$$

$$r$$

$$\lambda = \frac{Er}{2k}$$

$$2k$$

$$\lambda = \frac{9 \times 10^4 \times 2 \times 10^{-2}}{2 \times 9 \times 10^9}$$

$$2 \times 9 \times 10^9$$

$$\boxed{\lambda = 10^{-7} \frac{C}{m}}$$



Ans - 3

* गतिशीलता (μ)

→ प्रति इकाई विद्युत क्षेत्र में रहे डिप्टर वेग की ही गतिशीलता (मोबायिलिटी) कहते हैं।

$$\mu = \frac{vd}{E}$$

$$(vd = \frac{eEt}{m})$$

$$\mu = \frac{eEt}{Em}$$

$$\mu = \frac{e\tau}{m}$$

→ इकाई :- $\frac{mC}{Sec \cdot N}$, $\frac{CSec}{kg}$ होता है।

→ विमीय सूत्र :- $M^{-1} L^0 T^2 A^1$ है।

Ans - 4

→ चुम्बकीय क्षेत्र रेखाओं की लाक्षणिकताएँ निम्नलिखित हैं।

- i] चुम्बकीय क्षेत्र रेखाएँ बंद लूप का निर्माण करती हैं।
- ii] चुम्बकीय क्षेत्र रेखाओं की दिशा उस पर स्पर्शक की दिशा में होती है।

iii) के क्षेत्र के लम्बवत श्वे गए तल के प्रति इकाई क्षेत्र में से गुजरने वाली चुम्बकीय क्षेत्र रेखाओं की चुम्बकीय तीव्रता कहते हैं।
 → क्षेत्र रेखाओं की संख्या में वृद्धि करने पर चुम्बकीय तीव्रता में वृद्धि होती है।

iv) चुम्बकीय क्षेत्र रेखाएँ एक-दूसरे को काटती नहीं हैं। ऐसा इसलिए होता है कि ऐसी स्थिति काटन बिंदु का पर चु. क्षेत्र की दिशा एक ही नहीं रहती है।

Ans-5

i) परिनालिका में संचित चुम्बकीय ऊर्जा

$$U = \frac{1}{2} L I^2 \text{ — (i)}$$

जहाँ, $L = \mu_0 n^2 A l$

$$B = \mu_0 n I$$

$$I = \frac{B}{\mu_0 n}$$

समी (i) में श्वे पर

$$U = \frac{1}{2} (\mu_0 n^2 A l) \left(\frac{B^2}{\mu_0 n^2} \right)$$

$$U = \frac{B^2 A l}{2 \mu_0}$$

ii) प्रति एकांक आधतन चुम्बकीय ऊर्जा

$$P_B = \frac{U}{V}$$

$$= \frac{B^2 \cdot A l}{2\mu_0 V} \quad (V = A l)$$

$$P_B = \frac{B^2}{2\mu_0} \frac{A l}{A l}$$

$$P_B = \frac{B^2}{2\mu_0}$$

Ans - b'

$$R = 100 \Omega \quad V = 220 V$$

$$f = 50 \text{ Hz}$$

a) $I_{rms} = ?$

$$I_{rms} = \frac{V}{R} = \frac{220}{100}$$

$$I_{rms} = 2.2 A$$

b) $P = ?$

$$P = I^2 R$$

$$P = (2.2)^2 \cdot 100$$

$$P = 484 W$$



Ans - 9

$$f = 7.21 \times 10^{14} \text{ Hz}$$

$$m = 9.1 \times 10^{-31}$$

$$v = 6 \times 10^5 \frac{\text{m}}{\text{se}}$$

$$f_0 = 9$$

$$* \rightarrow K = hf - hf_0$$

$$\frac{1}{2}mv^2 = h(f - f_0)$$

$$f - f_0 = \frac{\frac{1}{2}mv^2}{h}$$

$$f_0 = f - \frac{\frac{1}{2}mv^2}{h}$$

$$f_0 = 7.21 \times 10^{14} - \frac{9.1 \times 10^{-31} \times 36 \times 10^{10}}{2 \times 6.625 \times 10^{-34}}$$

$$f_0 = 7.21 \times 10^{14} - 2.47 \times 10^{14}$$

$$f_0 = (7.21 - 2.47) \times 10^{14}$$

$$\boxed{f_0 = 4.74 \times 10^{14} \text{ Hz}}$$



10. $n_k = 1$ $n_i = 4$

$$\lambda = 9 \quad f = 9$$

$$R = 1.097 \times 10^7 \text{ m}^{-1}$$

* फोटोन का तरंगदैर्घ्य

$$\frac{1}{\lambda} = R \left[\frac{1}{n_k^2} - \frac{1}{n_i^2} \right]$$

$$\frac{1}{\lambda} = R \left[\frac{1}{1} - \frac{1}{16} \right]$$

$$\frac{1}{\lambda} = \frac{R \cdot 15}{16}$$

$$\lambda = \frac{16}{R \cdot 15} = \frac{16}{1.097 \times 10^7 \times 15}$$

$$[\lambda = 0.975 \times 10^{-7} \text{ m}]$$

* आवृत्ति

$$f = \frac{c}{\lambda} = \frac{3 \times 10^8}{0.975 \times 10^{-7}}$$

$$[f = 3 \times 10^{15} \text{ Hz}]$$



Ans - 12

$$n_D = 5 \times 10^{28} / m^3$$

$$n_e = ? \quad n_h = ?$$

$$n_i = 1.5 \times 10^{16} m^{-3}$$

$$* \quad n_e = \frac{n_D}{106} = \frac{5 \times 10^{28}}{106}$$

$$n_e = 5 \times 10^{22} / m^3$$

$$* \quad n_i^2 = n_e n_h$$

$$n_h = \frac{n_i^2}{n_e} = \frac{(1.5 \times 10^{16})^2}{5 \times 10^{22}}$$

$$n_h = \frac{2.25 \times 10^{32}}{5 \times 10^{22}}$$

$$n_h = 0.45 \times 10^{10} / m^3$$

$$n_h = 4.5 \times 10^9 / m^3$$



Section-C

Ans - 24

$$V_m = 28.3 \text{ V}$$

$$f = 50 \text{ Hz}$$

$$R = 3 \Omega$$

$$L = 25.48 \text{ mH} = 25.48 \times 10^{-3} \text{ H}$$

$$C = 796 \times 10^{-6} \text{ F}$$

a) प्रतिबाधा $|Z| = ?$

$$\begin{aligned} X_L &= \omega L = 2\pi fL \\ &= 2 \times 3.14 \times 50 \times 25.48 \times 10^{-3} \\ X_L &= 8 \Omega \end{aligned}$$

$$\begin{aligned} X_C &= \frac{1}{\omega C} = \frac{1}{2\pi fC} \\ X_C &= \frac{1}{2 \times 3.14 \times 50 \times 796 \times 10^{-6}} \end{aligned}$$

$$X_C = 4 \Omega$$

प्रतिबाधा

$$|Z| = \sqrt{R^2 + (X_C - X_L)^2}$$

$$= \sqrt{(3)^2 + (4 - 8)^2}$$

$$= \sqrt{9 + 16} = \sqrt{25}$$

$$\boxed{|Z| = 5 \Omega}$$



$$b) I_{rms} = \frac{V_{rms}}{|Z|} = \frac{V_m}{\sqrt{2} \cdot |Z|}$$

$$= \frac{283}{1.414 \times 5}$$

$$I_{rms} = 40 \text{ A}$$

* श्रौत के सिरों की बीच लगी वोलता

* प्रतिरोध के लिए

$$V_R = I_{rms} R = 40 \times 3$$

$$V_R = 120 \text{ V}$$

* इंडक्टर के लिए

$$V_L = I_{rms} X_L = 40 \times 8$$

$$V_L = 320 \text{ V}$$

* कैपेसिटर के लिए

$$V_C = I_{rms} X_C = 40 \times 4$$

$$= 160 \text{ V}$$

* कोणा अंतर

$$\phi = \tan^{-1} \left(\frac{X_C - X_L}{R} \right)$$

$$\phi = \tan^{-1} \left(\frac{4 - 8}{3} \right)$$

$$\phi = \tan^{-1} \left(-\frac{4}{3} \right)$$

$$\phi = \tan^{-1} (-1.333)$$

$$\phi = -53.1^\circ$$

* 100 J में प्रकटित विद्युत लैंप की दूर = 1 sec
 $15.74 \times 10^{13} \text{ J}$ " " " " $t = 9$

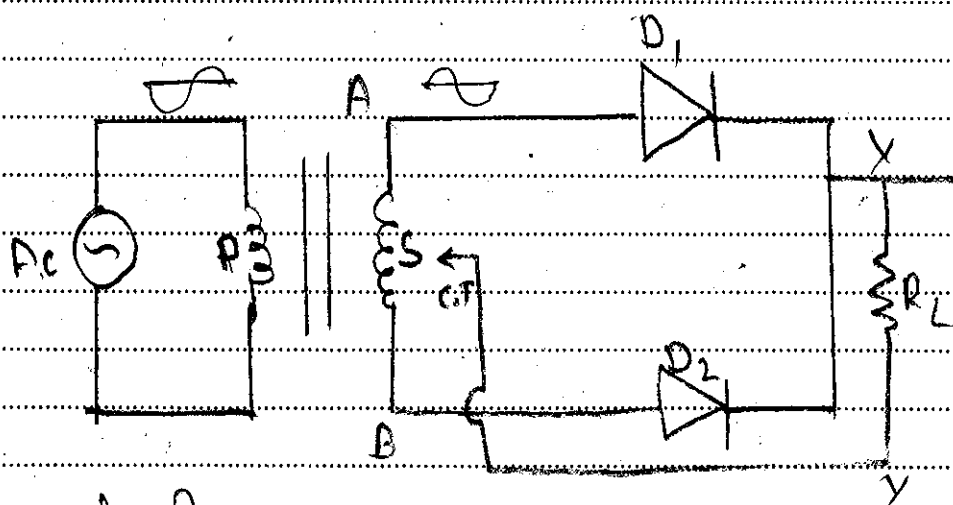
$$t = \frac{1 \times 15.74 \times 10^{13}}{100}$$

$$t = 15.74 \times 10^{11} \text{ sec}$$

$$t = \frac{15.74 \times 10^{11}}{3.154 \times 10^7} \text{ years}$$

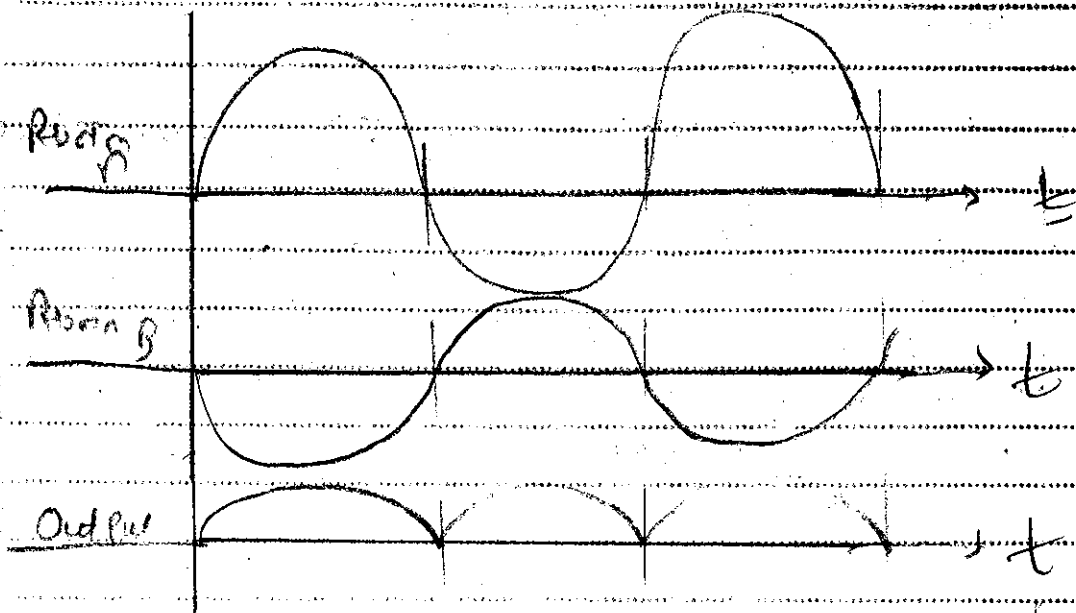
$$t = 4.9 \times 10^4 \text{ years}$$

Ans - 27



पूर्ण तरंग रेक्टिफायर :

→ जब A.C. वोल्टेज का संपूर्ण संपातन D.C. वोल्टेज प्राप्त करने की प्रक्रिया को पूर्ण तरंग रेक्टिफायर कहते हैं।
 → पूर्ण तरंग रेक्टिफायर में दो डायोड्स होते हैं।



→ परिपथ में दिखाए अनुसार जब प्राथमिक कुंडली को A.C. के साथ एवं गौण कुंडली को डायोड के P साध एवं N को R_L लोड प्रतिरोध के साथ एवं R_L के दूसरे को सेंट्रल टर्मिनल के साथ जोड़कर परिपथ पूर्ण किया गया है

→ जब Input में A.C Voltage दिया जाता है तो प्रथम अर्ध चक्र के अवन B₁ के दौरान D₁ डायोड Forward बायस वोल्टेज में तथा D₂ डायोड Reverse बायस वोल्टेज में होता है।

→ तब D₁ डायोड Forward बायस वोल्टेज होने से उसमें विद्युत धारा प्रवाहित होती है एवं उसकी दिशा X से Y होती है।

→ अब समग्र अर्ध चक्र पूर्ण होने के बाद A₁ प्रेरण तथा B₂ धन धनता है।

→ तब उस दौरान D₂ डायोड Forward बायस एवं D₁ डायोड Reverse बायस धनता है।

→ जिससे D₂ डायोड Forward बायस होने

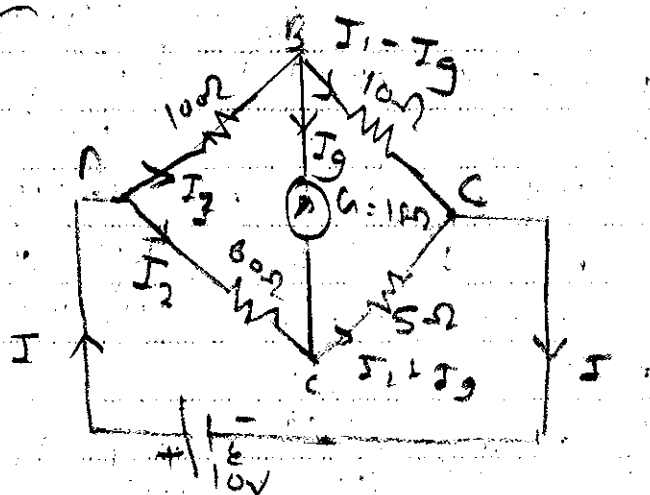


विद्युत धारा प्रवाहित होती है धारा की
x से y होती है

→ इस प्रकार प्राफ धारा को D.C धारा कहते
हैं

→ इससे हम कह सकते हैं जब Input
में Voltage दिया जाता है तो Output
में समान रूप से प्राफ होता है जिसे
आलेख में दिखाया है

Ans-23



* ABDA बंद परिपथ में किचोफ के
दूसरे नियम से

$$-100I_1 - 15I_3 + 60I_2 = 0$$

$$20I_1 + 3I_3 - 12I_2 = 0 \quad \text{--- (i)}$$

* BCDB बंद परिपथ में किचोफ के
दूसरे नियम से

$$-10I_1 + 10I_3 + 5I_2 + 5I_3 + 15I_3 = 0$$

$$-10I_1 + 30I_3 + 5I_2 = 0$$

$$-2I_1 + 6I_3 + I_2 = 0 \quad \text{--- (ii)}$$



A DCA वंछ परिपथ में क्रिचोफ के दूसरे नियम से

$$-60I_2 - 5I_2 - 5I_9 + 10 = 0$$

$$-65I_2 - 5I_9 + 10 = 0$$

$$13I_2 + I_9 = 2 \quad \text{--- (ii)}$$

समी (i) + (ii) $\times 10$

$$20I_1 + 3I_9 - 12I_2 = 0$$

$$-20I_1 + 60I_9 + 10I_2 = 0$$

$$63I_9 - 2I_2 = 0$$

$$I_2 = \frac{63I_9}{2}$$

समी (iii) में रखने पर

$$13\left(\frac{63I_9}{2}\right) + I_9 = 2$$

$$819I_9 + 2I_9 = 4$$

$$821I_9 = 4$$

$$I_9 = 0.0048 \text{ A}$$

$$I_9 = 4.8 \text{ mA}$$

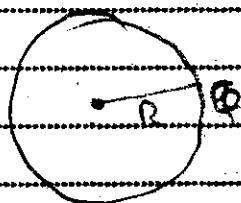
Section-B

Ans-13

$$R = 12 \times 10^{-2} \text{ m}$$

$$Q = 1.6 \times 10^{-7} \text{ C}$$

a) गोल के भीतर



→ गोल के भीतर कोई आवेश नहीं है

$$\therefore \boxed{E = 0 \frac{\text{N}}{\text{C}}}$$

b) गोल के ठीक बाहर

$$E = \frac{kQ}{R^2} = \frac{9 \times 10^9 \times 1.6 \times 10^{-7}}{144 \times 10^{-4}}$$

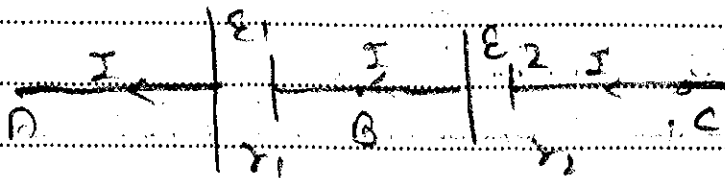
$$\boxed{E = 0.1 \times 10^{+6} \frac{\text{N}}{\text{C}}}$$

c) $r = 18 \times 10^{-2} \text{ m}$

$$E = \frac{kQ}{r^2} = \frac{9 \times 10^9 \times 1.6 \times 10^{-7}}{324 \times 10^{-4}}$$

$$\boxed{E = 0.044 \times 10^6 \frac{\text{N}}{\text{C}}}$$

Ans-1*



→ चित्र में दो कोषों को जोड़ी कम बोल गया है E_1, E_2

→ यहाँ माफ़ आंतरिक अवरोध r_1 एवं r_2 है

* A से B में

$$V_A + r_1 I - E_1 = V_B$$

$$V_A - V_B = E_1 - I r_1 \quad \text{--- (i)}$$

* B से C में

$$V_B + r_2 I - E_2 = V_C$$

$$V_B - V_C = E_2 - I r_2 \quad \text{--- (ii)}$$

अभी (i) + अभी (ii)

$$V_A - V_C = E_1 - I r_1 + E_2 - I r_2$$

$$V_A - V_C = E_1 + E_2 - I(r_1 + r_2)$$

$$\text{जहाँ } V_A - V_C = V$$

$$E_1 + E_2 = E_{eq}$$

$$r_1 + r_2 = r_{eq}$$

$$\boxed{V = E_{eq} - r_{eq} I}$$



Ans - 16

$$d = 10 \text{ m}$$

$$B = 3 \times 10^{-5} \text{ wb/m}^2$$

$$V = 5 \text{ m/s}$$

a) विद्युत वाहक बल

$$E = BVd$$

$$E = 3 \times 10^{-5} \times 5 \times 10$$

$$E = 15 \times 10^{-4} \text{ V}$$

b) विद्युत वाहक बल की दिशा पश्चिम से पूर्व होगी।

c) तार का पूर्व सिरा उच्च विद्युत विभव पर है पूर्व connect

Ans : 18
18.

$$a) R_1 = 10 \text{ cm} \quad R_2 = 15 \text{ cm}$$

$$f = 12 \text{ cm}$$

$$n_2 = 9 \quad n_1 = 1$$

* लेंस मेकर के सूत्र से

$$\frac{1}{f} = \frac{(n_2 - n_1)}{n_1} \left[\frac{1}{R_1} - \frac{1}{R_2} \right]$$

$$\frac{1}{12} = (9 - 1) \left[\frac{1}{10} + \frac{1}{15} \right]$$

$$(n_2 - 1) = 0.5$$

$$n_2 = 0.5 + 1$$

$$\boxed{n_2 = 1.5}$$

b) वायु से कांच के लिए

$$f = 20 \text{ cm}$$

$$n_1 = 1 \quad n_2 = 1.5$$

$$\frac{1}{f} = \left(\frac{n_2 - n_1}{n_1} \right) \left(\frac{1}{R_1} - \frac{1}{R_2} \right)$$

$$\frac{1}{20} = (1.5 - 1) \left[\frac{1}{R_1} - \frac{1}{R_2} \right]$$

$$\frac{1}{10} = \frac{1}{R_1} - \frac{1}{R_2} \quad \text{--- (i)}$$

* पानी से कांच

$$n_1 = 1.33 \quad n_2 = 1.5$$

$$f_2 = 9$$

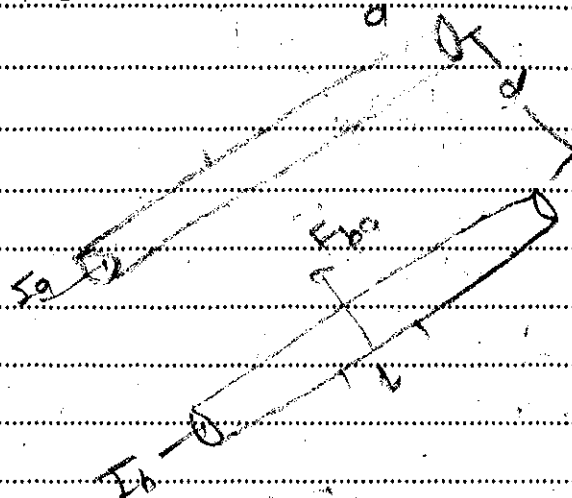
$$\frac{1}{f_2} = \left(\frac{n_2 - n_1}{n_1} \right) \left(\frac{1}{R_1} - \frac{1}{R_2} \right)$$

$$\frac{1}{f_2} = \left(\frac{1.5 - 1.33}{1.33} \right) \left(\frac{1}{10} \right) \quad \text{समी (i) से}$$

$$\frac{1}{f_2} = \frac{0.17}{1.33 \times 10}$$

$$\boxed{f_2 = 78.23 \text{ cm}}$$

Ans-15



- चित्र में दो पारस्परिक चालक तार को एक-दूसरे के समान्तर d मीटर पर रखा गया है।
 → यदि जब I_b व I_a तार में से I_a चालक द्वारा प्रवाहित हो तब वहां उत्पन्न से d मीटर पर उत्पन्न चुं.क्ष।

$$B = \frac{\mu_0 I_a}{2\pi d}$$

अब उस चुं.क्ष. में b तार को लाने है तब उसे I_b चालक द्वारा प्रवाहित करने है तो तब b से b पर लगने वाला बल, $F_{ba} = \mu_0 I_a I_b l$

$$F_{ba} = \frac{\mu_0 I_a I_b l}{2\pi d}$$

इसी प्रकार

$$F_{ab} = - \frac{\mu_0 I_a I_b l}{2\pi d}$$

$$F_{ab} = - F_{ba}$$

- यदि चालक तार में किसिमध में बहने वाला आवेश एक इकाई हो तो उसे 1A विद्युत धारा कहा जायेगा।

Supplementary/પુરવણી



04(S) - M - 24

વિષય ૦૪ - Physics

તારીખ 11/03/2024



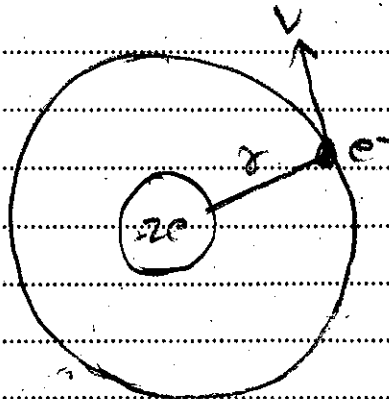
★ અહીંથી જ લખવાનું શરૂ કરવું. ★

વિભાગ.....

	+		+		+		+		+		+		+		+		+		+	
	+		+		+		+		+		+		+		+		+		+	



Ans - 21



- ચિત્ર મેં દર્શાવે અનુસાર ક્યુવિલયરન
કે કેન્દ્ર મેં સમસ્ત પ્રતિબળ કાળ દો
- કેન્દ્ર મેં પરમાણુ કે સાપેક્ષ વલ્લ મ
પૂરવમાન થાળા e વેગ v સે કરતી હો
તો વહે પદ્યપ્તિ સાગા મેં ભ્રમકેન્દ્રીય
બળ પ્રાપ્ત કરતા હો
- $F = \frac{mv^2}{r}$ (i)



$$\begin{array}{cccccccccc} \square & + & \square & + & \square & + & \square & + & \square & + & \square \\ \square & + & \square & + & \square & + & \square & + & \square & + & \square = \end{array}$$

→ यह अम्लिकेन्द्रीय वन, कुम्भीय माकपी वन के कारण उत्पन्न होता है।

$$F = \frac{kze^2}{r^2}$$

$$F = \frac{1}{4\pi\epsilon_0} \cdot \frac{2e^2}{r^2} \quad \text{--- (ii)}$$

समी (i) तथा (ii) की तुलना करने पर

$$\frac{mv^2}{2} = \frac{ze^2}{4\pi\epsilon_0 r} \quad \text{--- (iii)}$$

$$(m v_e) v = \frac{2e^2}{4\pi\epsilon_0 r} \quad \text{--- (iv)}$$

* लोहर के निम्न अभिगृहीत से
कृतिय

$$L = \frac{nh}{2\pi} \quad (\text{for } n=1) \text{ gives}$$
$$(L = mvr)$$

$$m v r = \frac{n h}{2 \pi}$$

$$mv = \frac{nh}{2\pi r} \quad \text{--- (v)}$$

1) ~~पुष्पकेशमी~~ (पुष्प) में ~~रखने~~ ५०

~~मयका मान समी. (iv) २५/५०~~

~~hha - 202
 210 4168
 2~~

~~2002~~ ~~2002~~

~~87/202~~
2. nht

~~$$V = \frac{ze^2}{2\pi h^2 \epsilon_0}$$~~

मान सम 11.17 में बदल

$$\cancel{10} \sqrt{2} = \frac{2e^2}{4\pi\epsilon_0 (\frac{2e^2}{2m\hbar})}$$

m 7/2/2

7 ~~बाई 2~~ की विमता

~~$$\gamma = \frac{0.2628}{0.00702}$$~~

~~म. प्र. समी (V) में~~

~~no. $(x) \Rightarrow \frac{m \cancel{2e^2}}{2n\hbar\epsilon_0} = \frac{\hbar}{2n\cancel{x}}$

$x = \frac{\hbar^2}{2n^2\epsilon_0}$~~

2. सभी (क) का मान (12) रखें या

$$\frac{hhv}{200} = \frac{2e2}{4000}$$

$$V = \frac{ze^2}{4\pi\epsilon_0}$$

γ का मान सभी (IV) में 22 के पड़

$$(V) \Rightarrow \frac{mze^2}{2nh^2} - \frac{hh}{2mr}$$

